तबला

एम. ए. अंतिम वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र

इतिहास

समयः 3 घंटा पूर्णांकः 100

न्यूनतम उत्तीर्णांक – 36

इकाई 1. मार्ग तथा देशी एवं उत्तर भारतीय तथा कर्नाटक ताल पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन । उपशास्त्रीय तथा सुगम संगीत में प्रयुक्त तालों के विकास का अध्ययन ।

इकाई 2. संगीत शिक्षण की प्राचीन परम्परा तथा विकास का ऐतिहासिक अध्ययन। संस्थागत शिक्षण प्रणाली का ऐतिहासिक अध्ययन । गुरू शिष्य परंपरा एवं संस्थागत शिक्षण प्रणाली के गुण दोष।

इकाई 3. छन्द की परिभाषा तथा छन्दों और तालों के पारस्परिक संबंध का ज्ञान। बंदिशों के संदर्भ में छन्दों का महत्व। रस–भाव एवं लय–बोल का संबंध ।

इकाई 4. वाद्य वर्गीकरण का प्राचीन सिद्धांत तथा आधुनिक युग में संभाव्य परिर्वतन। भारतीय अवनद्ध वाद्यों के ऐतिहासिक विकास का उनकी बनावट , वादन तकनीक और नादात्मकता के आधार पर विश्लेषणात्मक अध्ययन ।

इकाई 5. तबला के विभिन्न घरानों की उत्पत्ति का वादन शैली के आधार पर विश्लेषण ।
विशिष्ट कलाकारों की वादन विशेषताओं का अध्ययन ।

Scanned by CamScanner

उस्ताद अहमद जान थिरकवा, उस्ताद अल्लारखा, पं. सामता प्रसाद, पं. किशन महाराज ।

द्वितीय प्रश्न पत्र
निबंध , रचना एवं लयकारी

समयः 3 घंटे पूर्णांकः 100

न्यूनतम उत्तीर्णांक – 36

1. संगीत संबंधी किसी विषय पर निबन्ध लेखन (न्यूनतम 800 शब्दों में) 40
2. दिये गये बोलों के आधार पर निर्देशानुसार त्रिताल , झपताल रूपक, एकताल, आड़ा चौताल, सवारी, वसंत, शिखर रूद्र , तालों में विभिन्न रचनायें बनाकर तालिपि में लिखना । 40
3. किसी ताल के ठेके को किसी अन्य ताल में सम से सम तक समायोजित कर तालिपि में लिखने का ज्ञान तथा पाठ्यक्रम के तालों को विभिन्न लयकारियों में लिखना । 20

तृतीय प्रश्न पत्र
संगीत शास्त्र

समयः 3 घंटा पूर्णांकः100

न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

इकाई 1. त्रिताल में हर मात्रा से उठकर बत्तीस तिहाइयों के चक्र का अध्ययन तथा त्रिताल में हर मात्रा से नौहक्का तिहाइयां बनाने का अभ्यास। गायन , वादन एवं कथक नृत्य के साथ तबला संगति के सिद्धांत तथा उनका विश्लेषणात्मक अध्ययन ।

Scanned by CamScanner

इकाई 2. पाश्चात्य संगीत के स्टाफ नोटेशन पद्धति का विस्तृत अध्ययन और उत्तर भारतीय तालों को उस लिपि में लिखने का ज्ञान।

निम्नलिखित पाश्चात्य अवनद्ध वाद्यों का अध्ययन : कीटल ड्रम, टेनर ड्रम, बास ड्रम, स्नेअर ड्रम ।

इकाई 3. एकल तबला वादन के संदर्भ में ताल का चयन, सामग्री चयन, बंदिशों का क्रम, नगमा (लहरा) का महत्व।

एक सुन्दर एवं सफल सांगीतिक प्रस्तुती में मंच, मंच सज्जा, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था, रंग भूषा एवं वेश भूषा का महत्व।

इकाई 4. निम्नलिखित पुस्तकों की विशेषताओं का अध्ययन– भारतीय संगीत वाद्य , तबला वादन–कला एवं शास्त्र ,भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन, भारतीय संगीत में ताल छंद और रूप विधान, पखावज और तबला–घराने और परम्पराएं, ताल–कोश, तबले का उद्‌गम, विकास एवं वादन शैलियॉं।

इकाई 5. सांगीतिक ध्वनि का वैज्ञानिक अध्ययन । नाद–कोलाहल–तारता , तीव्रता , गुण या जाति , ध्वनि तरंगे, कर्णेन्द्रिय की बनावट तथा श्रवण क्रिया ।

तबला एवं डग्गा से उत्पन्न होने वाली ध्वनियों का अध्ययन तथा तबला और डग्गे पर क्रमशः काकु भेद एवं दांव–गांस से बोलों के अलंकरण एवं कर्ण प्रियता का अध्ययन ।

Scanned by CamScanner

क्रियात्मक–मौखिक

पूर्णांकः 300 न्यूनतम उत्तीर्णांक - 108

पिछले पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति ।

1. निम्नलिखित मात्रा की तालों में लहरे के साथ सम्पूर्ण एकल वादन :–
   मत्त/वसंत (9 मात्रा), जय ताल (13 मात्रा), शिखर (17 मात्रा) ।
2. आड़ा चौताल एवं एकताल में लहरे के साथ सम्पूर्ण एकल वादन ।
3. त्रिताल में विभिन्न घरानों की विशेषताओं एवं तिस्त्र, मिश्र व खण्ड जाति की रचनाओं सहित सम्पूर्ण सर्वांग एकल वादन करने की क्षमता।
4. त्रिताल , एकताल , झपताल तथा रूपक में किसी निश्चित बोल को विभिन्न लयकारियों के द्वारा प्रस्तुत करने का अभ्यास ।
5. त्रिताल में हर मात्रा से उठने वाली विभिन्न तिहाइयों को पढ़ना तथा उन्हें तबले पर बजाने की योग्यता ।
6. पाठ्यक्रम के सभी तालों में हाथ से ताली देकर विभिन्न बंदिशों की पढन्त करना ।
7. नृत्य के आमद , परन , तत्कार एवं छन्दों की पढ़न्त एवं उन्हें तबले पर बजाना ।
8. प्रचलित तालों के लहरे हारमोनियम पर बजाने की क्षमता तथा गायन वादन के साथ संगति का विशेष अभ्यास ।

Scanned by CamScanner

क्रियात्मक मंच प्रदर्शन

पूर्णांकः 150 न्यूनतम उत्तीर्णांक - 54

1. आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष एकल तबला वादन :–

   अ– विद्यार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से अपनी इच्छानुसार किसी एक ताल में संपूर्ण एकल वादन की प्रस्तुति। (अधिकतम 30 मिनट) 60

   ब– किसी अन्य ताल में परीक्षक के निर्देशानुसार संपूर्ण एकल वादन (15 मिनट) 40

2. गायन , वादन की संगति में पूर्ण निपुणता एवं कथक नृत्य के साथ संगति करने की योग्यता । 30

3. तबला मिलाने का पूर्ण ज्ञान । 20

Scanned by CamScanner